केन्द्रीय विद्यालय क्र.१ देवलाली
(पुस्तकालय विभाग)

एविएशन में करियर

एविएशन में करियर बनाने की संभावनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। जहां पहले एविएशन का क्षेत्र सरकारी हवाई सेवाओं तक ही सीमित था, वहीं अब निजी क्षेत्र भी एविएशन की दौड़ में शामिल हो गए हैं। साथ ही एविएशन के क्षेत्र में जिस तेजी से विकास हो रहा है, उसके अनुसार भारत इस क्षेत्र में सन् 2025 तक नंबर वन पर होगा। खासबात यह है कि निजी एयरलाइंस के आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने लगी हैं। इससे आने वाले दिनों में एविएशन इंडस्ट्री में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं।

एविएशन के क्षेत्र में आप दो तरह से करियर बना सकते हैं। पहला, ग्राउंड स्टॉफ के रूप में यानी ग्राउंड स्टॉफ एयर ट्रैफिक कंट्रोल, एयर पोर्ट ऐंड एयरक्राफ्ट मेंटीनेंस, कॉर्गो हैंडलिंग, टिकटिंग, रिजर्वेशन आदि में करियर बनाया जा सकता है। दूसरा, फ्लाइंग स्टॉफ के तौर पर, यहां आप पायलट, एयर होस्टेस, फ्लाइट इंजीनियर और नेविगेशन के रूप में करियर का आगाज कर सकते हैं।

<u>योग्यता</u>

एयरहोस्टेस/फ्लाइट स्टीवर्ड से संबंधित कोर्स को करने के लिए कैंडिडेट को बारहवीं पास होना चाहिए। यह क्षेत्र जितना ग्लैमरस है उतना ही हार्ड वर्क भी मांगता है, साथ ही जिसमें सेवा करने की भावना होगी, वही इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। एजुकेशन क्वालिफिकेशन के साथ कम्यूनिकेशन स्किल्स और ग्रूमिंग को भी इस क्षेत्र में महत्व दिया जाता है

एविएशन का क्षेत्र काफी विस्तृत है, एयरहोस्टेस, पायलट के अलावा सेल्स, रिजर्वेशनन, टिकटिंग, सिक्योरिटी, कार्गो, एचआर, मार्केटिंग, इंजीनियरिंग व केटरिंग प्रमुख हैं। आमतौर पर पायलट और एयरहोस्टेस के लिए ही जाने जाने वाले इस क्षेत्र में टेकिन्कल और नॉन टेक्निकल दोनों ही क्षेत्रों में नौकरियां उपलब्ध कराई जाती हैं।

<u>आंकड़ों पर नजर</u>

आंकड़ों के अनुसार, आने वाले 10-12 सालों में इस फील्ड जॉब की काफी अच्छी संभावनाएं रहने वाली हैं। अनुमानित है कि 2020 तक कुल एअर भाड़ा पांच गुना हो जाएगा, मतलब स्पष्ट है कि एयर पैसेंजर्स की संख्या में अत्याधिक इजाफा होगा और इनकी संख्या भी चौगुनी होने की संभावना है।

आंकड़ों के अलावा देखें तो एअर ट्रैफिक में होने वाली यह वृद्धि स्वाभाविक रूप से रोजगार के भी नए आयाम खोल रही है। अनुमान है कि आगामी तीन चार सालों में देश के विमानी बेड़े में सैकड़ों नए एअरक्राफ्ट जुड़ेंगे, जिसके परिणाम बडें पैमाने पर पॉयलट्स और केबिन क्रू स्टाफ की भर्ती होगी।

<u>एविएशन में ऑप्शन</u>

* पायलटः यदि आप पायलट के रूप में करियर की शुरुआत करना चाहते हैं, तो इसके प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम आयु 16 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही 12वीं की परीक्षा विज्ञान या गणित के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। पहले चरण में फ्लाइंग क्लब से स्टूडेंट पायलट लाइसेंस हासिल करना होता है। इसे हासिल करने के बाद प्राइवेट पायलट लाइसेंस (पीपीएल) या फिर कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) का कोर्स किया जा सकता है। पीपीएल उन लोगों के लिए है, जो शौकिया हवाई जहाज उड़ाना चाहते हैं, जबकि पायलट के रूप में करियर बनाने वाले लोगों के लिए सीपीएल आवश्यक है। देश में कई संस्थाएं विमान उड़ाने का प्रशिक्षण देती हैं।

* इंजीनियरः इंजीनियर विमानन सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि इनसे यात्रियों की सुरक्षा का मसला जुड़ा हुआ है। एयरलाइंस मेंटेनेंस इंजीनियर बनने के लिए संबंधित व्यक्ति के पास एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग या एयरोनॉटिकल मेंटेनेंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा होना चाहिए। हालांकि इंजीनियरों को पायलट की तुलना में कम वेतन मिलता है, जो उनके अनुभव और दक्षता के आधार पर बढ़ता जाता है।

* केबिन क्रूः हवाई जहाज के केब्रिन क्रू की अपनी ही अहमियत है। आखिर आपके सफर को सुगम, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने का दारोमदार इन्हीं पर होता है। एयरलाइन इंडस्ट्री में रोजगार के साथ ही आप पर्यटन का भी मजा ले सकते हैं। विमान परिचारिका (एयर होस्टेस) केबिन क्रू का ही हिस्सा होती हैं। एयर होस्टेस या फ्लाइट पर्सर बनने के लिए आकर्षक व्यक्तित्व का धनी और अंग्रेजी पर पकड़ आवश्यक है। इसके साथ ही अन्य विदेशी भाषा का ज्ञान आपकी खासियत में गिना जाएगा।

यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि अंग्रेजी वैश्विक भाषा बन चुकी है और किसी विदेशी भाषा की जानकारी होने से आप उस एयरलाइन या उस देश के मुसाफिरों की बात आसानी से समझ सकते हैं।

* एअर होस्टेसः एअर होस्टेस का कार्य उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधायों का घ्यान रखना इनका मुख्य कार्य है। इसके अलावा आपात कालीन निर्देश, स्थान व यात्रा के दौरान अन्य जानकारियों को यात्रियों को उपलब्ध करना इनका कार्य होता है।

* फ्लाइट स्टीवर्डः यह एयर होस्टेस के समान है। जिम्मेदारियां भी सामने हैं। एक ग्रेजुएट जिसकी उम्र 26 साल से कम हो और वह पर्यटन में डिप्लोमा हो, आवेदन कर सकते हैं।

* फ्लाइट इंजीनियरः हवाई जहाज की सारी प्रणालियों की जांच उड़ान के पहले, दौरान और बाद में करने की जिम्मेदारी इनकी होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, मैके निकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से एक में इंजीनियरिंग स्नातक आवश्यक है। 12वीं विज्ञान विषयों के साथ फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठयक्रम या एयरक्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या कॉमर्शियल पायलट लाइसेंस प्राप्त व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उम्र 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

* एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्सः ये आकाश में या जमीन पर हवाई जहाज की गतिविधियों में टीम के रूप में काम क रते हैं। रेडियो इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स में डिग्री आवश्यक है। गणितीय योग्यता भी अच्छी होनी चाहिए।

* मीटिरियोलॉजिस्टः मौसम विज्ञान, भौतिक, गणित, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में बीएससी या एमएससी की डिग्री वालों के लिए यह एविएशन फील्ड से जुड़ने का एक मौका है।

रोजगार के अवसर

भारतीय एविएशन इंडस्ट्री में काबिल पायलट की काफी कमी महसूस की जा रही है। जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में बडे पैमाने पर पायलट की जरूरत होगी। दूसरी तरफ एयर होस्टेस की भी मांग इस इंडस्ट्री में बनी रहती है। हालांकि यह नौकरी लड़कियों के लिए अधिक अनुकूल माना जाता है। आज एविएशन इंडस्ट्री के परवान चढने से अच्छी पर्सनैल्टी और फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाली लड़कियों के लिए ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध हैं। फ्लाइट स्टेवर्ड की भी डिमांड कम नहीं है। फ्लाइट स्टेवर्ड के रूप में टूरिज्म की डिग्री रखने वाले कैंडिडेट्स को अधिक वैल्यू दी जाती है। वैसे इस फील्ड में इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रीकल, मेकेनिकल, एरोनॉटिकल और कम्प्यूटर इंजीनियर की मांग भी कम नहीं है।

❖ **टॉप इंस्टीट्यूट**

- Indian Institute of Aeronautics, Delhi
- Bharat Institute of Aeronautics, Patna
- Indian Institute of Aeronautics Science, Jamshedpur
- Indian Institute of Aeronautical Science, Kolkata
- Avalon Aviation Academy, Aptech House, New Delhi
- Hindustan Electronics Academy, Bangalore
- JRN Institute of Aviation Technology.

❖ अधिक जानकारी के लिए आप निम्न साइट्स पर विजिट कर सकते हैं...

- इंडियन एयरवेज- www.indian-airlines.nic.in
- किंगफिशर- www.flykingfisher.com
- एयर इंडिया- www.airindia.com
- एयर डेक्कन- www.airdeccan.com
- लुफ्थानसा इंडिया एयरलाइंस- www.lufthansa.com
- एलियांस एयर- www.allianceairlines.com
- पारामाउंट एयरवेज प्रा.लि- www.paramountairways.com
- जेट एयरवेज- www.jetairways.com